पाठ्यक्रम

भूगोल पेपर 2

भाग: I- आर्थिक भूगोल

इकाई I

आर्थिक भूगोल: अर्थव्यवस्थाओं का स्थानिक संगठन और वर्गीकरण, आर्थिक गतिविधियों के स्थानिक संगठन को प्रभावित करने वाले कारक; प्राथमिक, द्वितीयक, तृतीयक और चतुर्थक, संसाधनों का वर्गीकरण, वन, बिजली और खनिज संसाधन, संसाधनों का संरक्षण, विश्व ऊर्जा संकट, वैश्वीकरण और विश्व अर्थव्यवस्था पर इसका प्रभाव और प्रमुख क्षेत्रीय व्यापार ब्लॉक और उनका आर्थिक एकीकरण।

इकाई II

कृषि भूगोल: कृषि भूगोल की प्रकृति, दायरा और विकास, कृषि टाइपोलॉजी; दुनिया की कृषि प्रणालियाँ, चयनित कृषि अवधारणाएँ और उनके माप; कृषि उत्पादकता और दक्षता, फसल पैटर्न, फसल सांद्रता, फसल विविधीकरण, फसल की तीव्रता और व्यावसायीकरण की डिग्री, कृषि क्षेत्रों के परिसीमन की अवधारणा और तकनीक, भूमि उपयोग नियोजन और हरित क्रांति का वॉन थुनेन मॉडल।

इकाई III

औद्योगिक और परिवहन भूगोल: औद्योगिक भूगोल में प्रकृति, दायरा और विकास, विनिर्माण उद्योगों के स्थानीयकरण के कारक, उद्योगों का वर्गीकरण; संसाधन आधारित और फुटलूज़ उद्योग, औद्योगिक स्थान के सिद्धांत: ए. वेबर, ऑगस्ट लॉश, डी. एम. स्मिथ, टॉर्ड पैलेन्डर और ई. एम. हूवर, दुनिया के औद्योगिक क्षेत्र और प्रमुख औद्योगिक खतरे। परिवहन विकास के मॉडल, परिवहन नेटवर्क का संरचनात्मक विश्लेषण, पहुंच और कनेक्टिविटी का माप, परिवहन लागत और प्रवाह के स्थानिक पैटर्न।

इकाई-IV

क्षेत्रीय नियोजन:

क्षेत्रों की टाइपोलॉजी, भूगोल में क्षेत्रीय अवधारणा और नियोजन में इसका अनुप्रयोग, नियोजन क्षेत्र की अवधारणा, क्षेत्रीय नियोजन का वैचारिक और सैद्धांतिक ढांचा, क्षेत्रीय पदानुक्रम, क्षेत्रीय परिसीमन के तरीके, क्षेत्रीय विकास के सिद्धांत, विकास की अवधारणा, विकास के संकेतक और क्षेत्रीय असंतुलन

भाग: II- जनसंख्या और निपटान भूगोल

इकाई V

जनसंख्या भूगोल: जनसंख्या भूगोल की प्रकृति, दायरा और विकास, जनसंख्या घटक और विशेषताएँ, विश्व जनसंख्या वितरण, वृद्धि और घनत्व के पैटर्न, नीतिगत मुद्दे, प्रवासन; प्रकार, कारण और परिणाम, प्रवासन के पैटर्न और प्रक्रियाएँ, जनसंख्या सिद्धांत; माल्थस, मार्क्स, सैडलर और रिकार्डो, जनसांख्यिकी संक्रमण मॉडल, जनसंख्या-संसाधन क्षेत्र, लिंग भेदभाव और महिलाओं का सशक्तिकरण।

इकाई VI

बस्ती भूगोल: ग्रामीण और शहरी बस्तियों की साइट, स्थिति, प्रकार, आकार, अंतराल और आंतरिक आकृति विज्ञान, शहरी विकास की पारिस्थितिक प्रक्रियाएँ, शहरी केंद्रों का स्थानिक पैटर्न और वितरण, ग्रामीण-शहरी किनारा, शहर-क्षेत्र, बस्ती प्रणाली, प्राइमेट शहर, रैंक-आकार नियम, बस्ती पदानुक्रम; क्रिस्टेलर का केंद्रीय स्थान सिद्धांत; अगस्त लॉश का बाजार केंद्रों का सिद्धांत और स्मार्ट शहर की अवधारणाएँ।

भाग - III सामाजिक-सांस्कृतिक और राजनीतिक भूगोल

इकाई VII

सामाजिक-सांस्कृतिक भूगोल: सामाजिक भूगोल की प्रकृति और दायरा, सामाजिक संरचना और सामाजिक प्रक्रियाएँ, सामाजिक भूगोल के तत्व: जातीयता, जनजाति, बोली, भाषा, जाति और धर्म और सामाजिक कल्याण की अवधारणा। सांस्कृतिक भूगोल की प्रकृति और दायरा, संस्कृति-क्षेत्रों और सांस्कृतिक क्षेत्रों की अवधारणा, दुनिया के सांस्कृतिक क्षेत्र, आदिवासी समूहों के सिद्धांत, सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के रूप में निवास स्थानों पर पर्यावरण का प्रभाव और सांस्कृतिक प्रसार, नस्लवाद और आतंकवाद के कारण उत्पन्न होने वाली समस्याएँ।

इकाई VIII

राजनीतिक भूगोल: राजनीतिक भूगोल की परिभाषा और दायरा, भू-राजनीति, वैश्विक रणनीतिक दृष्टिकोण, राष्ट्र, राज्य और राष्ट्र-राज्य की अवधारणा, सीमाएँ और सीमाएँ, राजधानी शहर और मुख्य क्षेत्र, विश्व संसाधनों की राजनीति, संघवाद का भूगोल, हिंद महासागर का भू-राजनीतिक महत्व और चुनावी भूगोल का विकास।

भाग: IV- क्षेत्रीय भूगोल

इकाई - IX भारत का भूगोल:

भौगोलिक विभाजन, जलवायु, वनस्पति, जल निकासी, प्रमुख मिट्टी के प्रकार, जल संसाधन, सिंचाई, कृषि; प्रमुख खाद्य और वाणिज्यिक फसलें, हरित क्रांति और खाद्य सुरक्षा, कृषि-जलवायु क्षेत्र, खनिज और बिजली संसाधन, प्रमुख उद्योग और औद्योगिक क्षेत्र, जनसंख्या वितरण और वृद्धि, जनसंख्या समस्याएँ और नीतियाँ, जनजातियाँ, जनजातीय क्षेत्र और उनकी समस्याएँ, सामाजिक और आर्थिक विकास में क्षेत्रीय असमानताएँ, भारत में क्षेत्रीय योजना और योजना क्षेत्र, सड़क, रेल और अंतर्देशीय जलमार्गों का विकास और भारत में प्राकृतिक आपदाएँ; भूकंप, बाढ़, सूखा, चक्रवात और सुनामी।

इकाई X

राजस्थान का भूगोल: भौगोलिक विभाजन, जलवायु, नदियाँ और झीलें, मिट्टी और वनस्पति, खनिज और ऊर्जा संसाधन, कृषि और सिंचाई, कृषि-जलवायु क्षेत्र, पशुधन, प्रमुख उद्योग और औद्योगिक क्षेत्र, भू-पर्यटन स्थल, जनसंख्या; वितरण, घनत्व, वृद्धि, लिंगानुपात, साक्षरता, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति जनसंख्या, पर्यावरणीय समस्याएँ; मरुस्थलीकरण, वनों की कटाई और मृदा अपरदन, जैव-विविधता और इसका संरक्षण और विकास कार्यक्रम।